Krishna Ujjala

Date: 07.02.2023

आई टी एस डेन्टल काॅलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल काआयोजन किया गया

गाजियाबाद आई टी एस डेन्टल काॅलेज, द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के

होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जी एम आई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई टी एस -द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ0 बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ0 बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ बसंत पहले और दूसरे दिन ने एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सी0बी0सी0टी0 और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ0 देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच0ओ0डी0 एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई टी एस -द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

gmi

Uday Bhoomi

Date: 08.02.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

-गेस्ट स्पीकर डॉ बसंत शर्मा ने नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं से छात्रों को कराया रुबारु

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में मंगलवार को 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है। जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन गुरप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के नेतृत्व में किया गया। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ बसंत शर्मा, जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था। जिन

रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी।
डॉ बसंत पहले और दूसरे दिन ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सीबीसीटी और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

Great National Achievement

Date: 08.02.2023

ITS.डेन्टल कॉॅलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल काआयोजन किया

Ghaziabad: आई०टी०एस० सेंटर फॉॅर डेन्टल स्टडीज एण्ड रिसर्चदिल्ली-मेरठ रोड, आई०टी०एस० डेन्टल कॉॅलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल काआयोजन किया गया

आई०टी०एस० डेन्टल कॉॅलेज, द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉॅलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम०डी०एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जी०एम०आई० इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आईoटीoएसo-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डाॅo बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलाॅजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डाॅo बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलाॅजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डाॅo बसंत ने सभी प्रतिभागियों को

व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डाॅ० बसंत पहले और दूसरे दिन ने एम०डी०एस० के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलाॅजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सी०बी०सी०टी० और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलाॅजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डाॅ० देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच०ओ०डी० एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलाॅजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई०टी०एस०-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डाॅ० आर०पी० चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Hind Atma

Date: 08.02.2023

डेन्टल कॉलेज में 7 वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सके एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ. बसंत शर्मा थे। डॉक्टर बसंत को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित कर लगाने के लिये तैयार करना रहा, जिन रोगियों के दांत नही है। डॉ. बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ. बसंत पहले और दूसरे दिन ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सीबीसीटी और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ. देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Jan Sagar Today

Date: 08.02.2023

आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का किया आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें।

इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जी.एम.आई. इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ. बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर

रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ. बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ. बसंत पहले और दूसरे दिन ने एम.डी.एस. के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सी.बी.सी.टी. और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ. देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Amar Ujala

Page No.04 **Date: 08.02.2023**

छात्रों को बताए प्रत्यारोपण के गुर

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज में मंगलवार को सातवां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया है। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स स्पेन के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को प्रत्यारोपण के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वक्ता डॉ. बसंत शर्मा ने ओरल इंप्लांटोलॉजी के तहत होने वाले नये उपचार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। इस दौरान चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डॉ. देवीचरण शेट्टी मौजूद रहे। संवाद

Hindustan Hindi

Page No.02 **Date: 08.02.2023**

दंत चिकित्सा के इलाज के बारे में बताया

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज में मंगलवार को सातवां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। गेस्ट स्पीकर डॉ. बसंत शर्मा ने दंत चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। उन्होने डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन के बारे में जानकारी दी। कॉलेज के वाइस चैयरमेन अर्पित चढ्डा और प्रधानाचार्य डॉ. देवीचरण शेट्टी ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बधाई दी।

Dhara News

Date: 08.02.2023

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया

धारा न्यूज-आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जी0एम0आई0 इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ0 बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ0 बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ0 बसंत पहले और दूसरे दिन ने एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सी0बी0सी0टी0 और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ0 देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच0ओ0डी0 एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dainik Atath

Date: 08.02.2023

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 7वें

कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में चार मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक तीन दिन के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डा. बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डा. बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डा. बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। उन्होंने पहले और दूसरे दिन ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सीबीसीटी और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डा. देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dainik Hint

Date: 08.02.2023

कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज में मंगलवार को 7वां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कोर्स में चार मॉड्यूल है। प्रत्येक मॉड्यूल के कोर्स तीन दिन के होंगे। कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से किया जा रहा है।

इस दौरान मरीजों के बीच इम्प्लांटस के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना है जिससे मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के माध्यम से लगाया जा सके। गेस्ट स्पीकर डॉ. बसंत शर्मा ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के तहत होने वाले नये उपचार के विभिन्न

पहलुओं के बारे में बताया। उन्होंने डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग व सर्जिकल निष्पादन के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कॉलेज के वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. देवीचरण शेट्टी के अलावा दंत विभागों के एचओडी व दंत चिकित्सक मौजूद थे।

Currnet Crime

Date: 08.02.2023

आईटीएस कॉलेज में 7वां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का किया आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज में 7 वां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कोर्स में चार मॉड्यूल है। प्रत्येक मॉड्यूल के कोर्स तीन दिन के होगे। कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान मरीजों के बीच इम्प्लांटस के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना है। जिससे मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के माध्यम से लगाया जा सके। गेस्ट स्पीकर डॉ. बसंत शर्मा ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के तहत होने वाले नये उपचार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। उन्होने डायग्नोस्टिक मूल्यांकन , प्रोस्थेटिक प्लानिंग व सर्जिकल निष्पादन के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कॉलेज के वाइस चैयरमेन अर्पित चढ्डा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. देवीचरण शेट्टी के अलावा दंत विभागों के एचओडी व दंत चिकित्सक मौजूद थे।

Krishna Ujjala

Date: 08.02.2023

आई टी एस डेन्टल कॉलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई टी एस डेन्टल कॉलेज, द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

यह कोर्स बार्सिलोना विश्व विद्यालय, स्पेन और जी एम आई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई टी एस -द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ0 बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है।

डॉ0 बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ बसंत पहले और दूसरे दिन ने एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सी0बी0सी0टी0 और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है।

इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ0 देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच0ओ0डी0 एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई टी एस -द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi

Date: 08.02.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

गेस्ट स्पीकर डॉ बसंत शर्मा ने नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं से छात्रों को कराया रुबारु

गाजियाबाद (उदय भूमि ब्यूरो)। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में मंगलवार को 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है। जो प्रत्येक 3 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के नेतृत्व में किया गया। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ बसंत शर्मा, जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था। जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ बसंत पहले और दूसरे दिन ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सीबीसीटी और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

Buland Sandesh

Date: 08.02.2023

आईटीएस कॉलेज में कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में मंगलवार को 7 वां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कोर्स में चार मॉड्यूल है। प्रत्येक मॉड्यूल के कोर्स तीन दिन के होंगे। कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान मरीजों के बीच इम्प्लांटस के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना है। जिससे मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के माध्यम से लगाया जा सके। गेस्ट स्पीकर डॉ. डॉ. बसंत शर्मा ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के तहत होने वाले नये उपचार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। उन्होंने डायग्नोस्टिक मूल्यांकन , प्रोस्थेटिक प्लानिंग व सर्जिकल निष्पादन के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कॉलेज के वाइस चैयरमेन अर्पित चड्ढा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. देवीचरण शेट्टी के अलावा दंत विभागों के एचओडी व दंत चिकित्सक मौजूद थे।

Manasvi Vani

Date: 08.02.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 7 वां कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कोर्स में चार मॉड्यूल है। प्रत्येक मॉड्यूल के कोर्स तीन दिन के होगे। कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान मरीजों के बीच इम्प्लांटस के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना है। जिससे मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के माध्यम से लगाया जा सके। गेस्ट स्पीकर डॉ. डॉ. बसंत शर्मा ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के तहत होने

वाले नये उपचार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। उन्होने डायग्नोस्टिक मूल्यांकन , प्रोस्थेटिक प्लानिंग व सर्जिकल निष्पादन के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कॉलेज के वाइस चैयरमेन अर्पित चढ्डा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. देवीचरण शेट्टी के अलावा दंत विभागों के एचओडी व दंत चिकित्सक मौजूद थे।

Aap Abhi Tak

Date: 08.02.2023

7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया

संवाददाता (आप अभी तक)

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद द्वारा 7वें कॉम्प्रेहेन्सिव इम्प्लांट कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 3 दिनों के होंगे।

इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन और जीएमआई इम्प्लांट्स, स्पेन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ बसंत शर्मा थे जिन्हें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बसंत ने ओरल इम्प्लांटोलॉजी के अन्तर्गत होने वाले नवीनतम उपचार के विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में इन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बसंत ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से डायग्नोस्टिक मूल्यांकन, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और सर्जिकल निष्पादन की गहरी समझ दी। डॉ बसंत पहले और दूसरे दिन ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिये सीबीसीटी और इम्प्लांट प्लेसमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गयी। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिये छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इम्प्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।